राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य

हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार ने चंबल और उसकी सहायक पार्वती नदी से सबद्ध पाँच हिस्सों के 292 हेक्टेयर क्षेत्र में खनन गतिविधियों का प्रस्ताव दिया है।

- राज्य वन विभाग को राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में अवैध खनन गतिविधियों को रोकने में लगने वाले समय, संसाधन और प्रयासों को समर्पित करने से मुक्त करने हेतु यह कदम उठाया गया है।
- वर्ष 2006 से अभयारण्य में रेत के खनन पर प्रतिबंध लगा हुआ है।

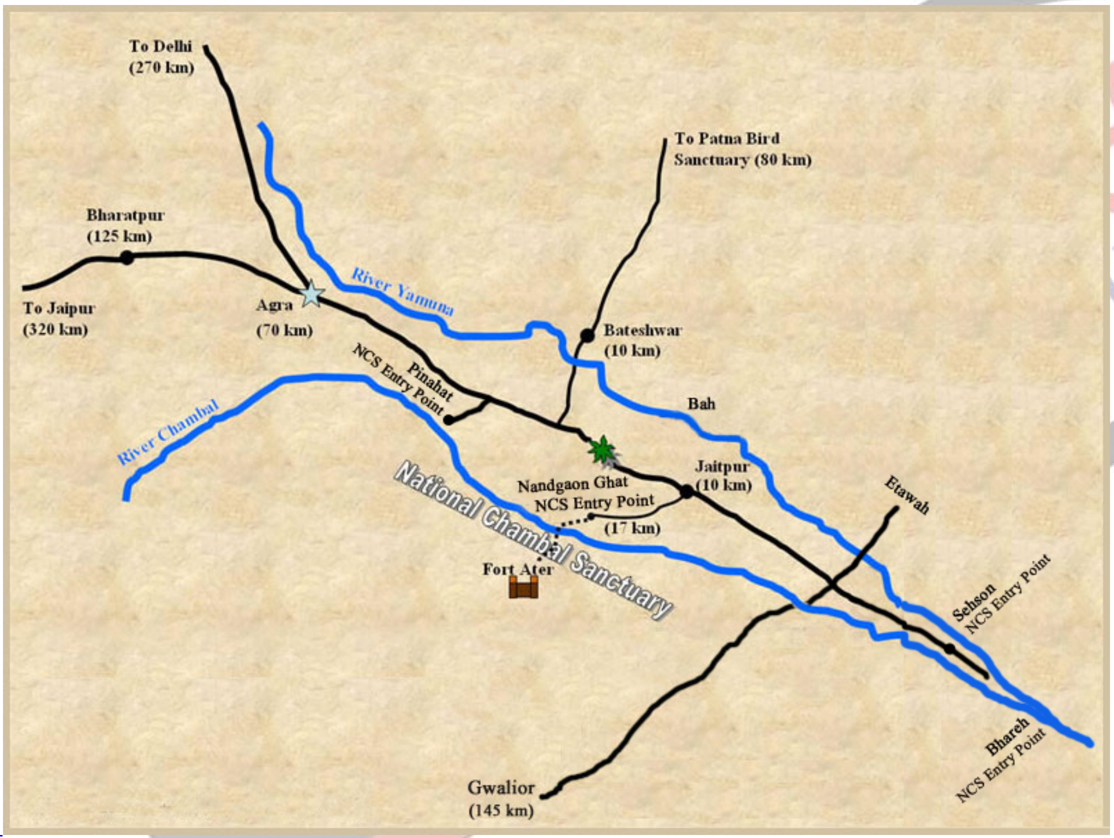

//

राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य

- **राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य के बारे में:**
  - राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य की स्थापना वर्ष 1979 में चंबल नदी की 425 किलोमीटर की लंबाई के साथ की गई थी।
  - इसकी घाटी राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के त्रि-बिंदु के पास चंबल नदी के साथ 2-6 किमी. के विस्तारित क्षेत्र में फैली हुई हैं।
  - राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य एक महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (Important Bird Areas- IBA) के रूप में सूचीबद्ध है और एक प्रस्तावित रामसर स्थल है।

महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBAs):

- पक्षी पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के उत्कृष्ट संकेतक (**Indicators**) हैं।

- बर्डलाइफ इंटरनेशनल के IBA कार्यक्रम का उद्देश्य दुनिया के पक्षियों और संबंधित जैव विविधता के संरक्षण हेतु IBAs के वैश्विक नेटवर्क की पहचान, निगरानी और सुरक्षा करना है।
- बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और बर्डलाइफ इंटरनेशनल द्वारा भारत में 554 **IBAs** की पहचान की गई है।
- इनमें से 40% IBAs संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क से बाहर आते हैं और इस प्रकार परिदृश्य-स्तरीय संरक्षण योजना के लिये एक महत्त्वपूर्ण उपकरण निर्मित करते हैं।
- बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार, IBAs के निर्धारण के कुछ मानकीकृत मानदंड है, जो इस प्रकार हैं:
    - **A: वैश्विक**
        - **A1. स्पीशीज ऑफ ग्लोबल कान्सर्वेशन कंसर्न:**
            - यह क्षेत्र/साइट में नियमित रूप से विश्व स्तर पर खतरे वाली प्रजातियों, या **स्पीशीज ऑफ ग्लोबल कान्सर्वेशन कंसर** की महत्त्वपूर्ण संख्या है।
        - **A3. बायोम रिस्ट्रिक्टिड स्पीशीज :**
            - यह साइट उन प्रजातियों का एक महत्वपूर्ण संयोजन रखने के लिये जानी जाती है जिनके प्रजनन वितरण बड़े पैमाने पर या पूरी तरह से एक बायोम तक ही सीमित हैं।
        - **A4. कांगग्रगेशन:**
            - **i.** साइट को नियमित आधार पर एक सामूहिक जलपक्षी प्रजातियों की जैव-भौगोलिक आबादी का ≥1% रखने के लिये जाना जाता है।
            - **ii.** साइट को ऐसे नियमित स्थल के रूप में जाना जाता है या माना जाता है, जहाँ एक सामूहिक समुद्री पक्षी या स्थलीय प्रजातियों की वैश्विक आबादी का 1% या उससे कम हो।
            - iii. साइट को ऐसे नियमित स्थल के रूप में जाना जाता है, जहाँ 20,000 जलपक्षी या 10,000 जोड़े एक या अधिक प्रजातियों के समुद्री पक्षी हों।
- **पारिस्थितिकी:**
    - राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियाल (छोटे मगरमच्छ), रेड क्राउन टोर्टयज़ और लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फ़िन का आवास है।
        - चंबल जंगली में घड़ियाल की सबसे बड़ी आबादी का समर्थन करता है।
    - एकमात्र ज्ञात स्थान जहाँ भारतीय स्किमर्स के घोंसले बड़ी संख्या में दर्ज किये जाते हैं।
    - चंबल देश में पाए जाने वाले 26 में से 8 दुर्लभ कछुओं की प्रजातियों का समर्थन करता है।
    - चंबल देश की सबसे स्वच्छ नदियों में से एक है।
    - चंबल 320 से अधिक निवासी और प्रवासी पक्षियों का समर्थन करता है।
- **आर्थिक सहायता:**
    - स्थानीय लोग सीधे अभयारण्य के विभिन्न संसाधनों पर निर्भर हैं। वे नदी के किनारे खेती करते हैं, सिंचाई के लिये नदी का पानी निकालते हैं, जीविका और व्यावसायिक मछली पकड़ने का अभ्यास करते हैं, और बालू का खनन करते हैं।

मध्य प्रदेश के अन्य अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान:

- मध्य प्रदेश में 9 राष्ट्रीय उद्यान और 25 अभयारण्य हैं, जो 10,862 वर्ग किमी. के क्षेत्र में फैले हुए हैं, जो कुल वन क्षेत्र का 11.40% और राज्य के भौगोलिक क्षेत्र का 3.52% है।
- वर्तमान में, राज्य में राज्य में 5 प्रोजेक्ट टाइगर क्षेत्र हैं-
    - कान्हा राष्ट्रीय उद्यान
    - पन्ना राष्ट्रीय उद्यान
    - बाँधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान
    - पेंच राष्ट्रीय उद्यान
    - सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान
- इसे 'टाइगर स्टेट' के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह भारत की बाघ आबादी का लगभग 19% और दुनिया की 10% बाघ आबादी पाई जाती है।

चंबल नदी

- यह भारत की सबसे प्रदूषण मुक्त नदियों में से एक है।
- यह 960 किमी. लंबी नदी है जो **विंध्य पर्वत** (इंदौर, मध्य प्रदेश) के उत्तरी ढलानों में सिमर चौरी चोटी से निकलती है। वहाँ से यह मध्य प्रदेश में उत्तर दिशा में लगभग 346 किमी. तक बहती है और फिर राजस्थान में प्रवेश कर 225 किमी. उत्तर-पूर्व दिशा में प्रवाहित होती है।
- यह यू.पी. के इटावा ज़िले में **यमुना नदी** में मिलने से पहले लगभग 32 किमी. तक बहती है।
- यह एक वर्षा सिंचित नदी है और इसका बेसिन **विंध्य** पर्वत शृंखलाओं और **अरावली** से घिरा हुआ है। चंबल और उसकी सहायक नदियाँ उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश के **मालवा क्षेत्र** में बहती हैं।
- **सहायक नदियाँ**: बनास, काली सिंध, पार्वती।
- **मुख्य विद्युत परियोजनाएँ/बाँध:** गांधी सागर बाँध, राणा प्रताप सागर बाँध, जवाहर सागर बाँध और कोटा बैराज।
- राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य **राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के ट्राई-जंक्शन पर चंबल नदी** के किनारे स्थित है। यह **गंभीर रूप से लुप्तप्राय घड़ियाल, रेड क्राउन रूफ टर्टल और लुप्तप्राय गंगा नदी डॉल्फिन के लिये जाना जाता है।**

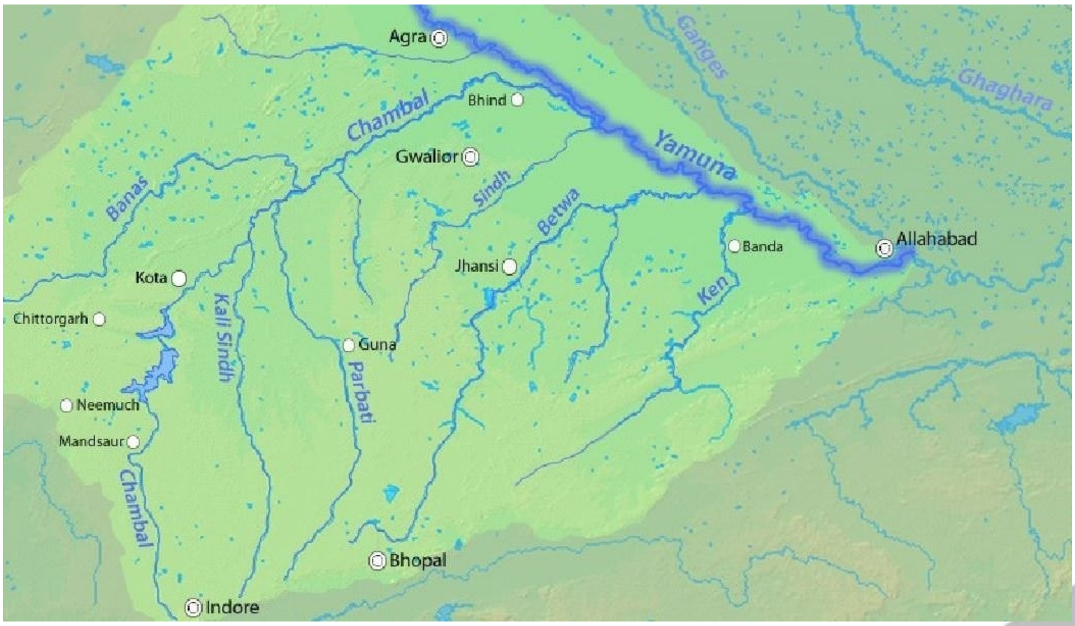

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2010)

संरक्षित क्षेत्र	**के लिये प्रसिद्ध**
1. भितरकनिका, ओडिशा	लवणीय जल मगरमच्छ
2. मरुस्थलीय राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान	ग्रेट इंडियन बस्टर्ड
3. एराविकुलम, केरल	हूलॉक गिबन

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1
(b) 1 और 2
(c) केवल 2
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान ओडिशा राज्य के केंद्रपाड़ा ज़िले में स्थित भितरकनिका वन्यजीव अभयारण्य का मुख्य क्षेत्र है। इसे वर्ष 1998 में राष्ट्रीय उद्यान के रूप में और वर्ष 2002 में ओडिशा राज्य द्वारा रामसर स्थल के रूप में नामित किया गया था। राष्ट्रीय उद्यान खारे पानी के मगरमच्छ (क्रोकोडायलस पोरस), भारतीय अजगर, किंग कोबरा, ब्लैक आइबिस, डार्टर तथा वनस्पतियों और जंतुओं के कई अन्य प्रजातियों का घर है। यह बड़ी संख्या में मैंग्रोव प्रजातियों की मेजबानी करता है। राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य ब्राह्मणी, बैतरनी, धामर नदियों से जलमग्न हैं। **अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।**
- मरुस्थलीय राष्ट्रीय उद्यान थार रेगिस्तान में जैसलमेर के पास स्थित है। पार्क में पाए जाने वाले प्रमुख वन्यजीव चिकारा, रेगिस्तानी लोमड़ी, ब्लैकबक, बंगाल लोमड़ी, स्पाइनी-टेल छिपकली, सैंडफिश, रेगिस्तान मॉनिटर, गिरगिट आदि हैं। राष्ट्रीय उद्यान का मुख्य आकर्षण ग्रेट इंडियन बस्टर्ड है जो एक गंभीर रूप से लुप्तप्राय पक्षी प्रजाति है। **अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।**
- केरल में स्थित एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान, लुप्तप्राय नीलगिरि तिहर की सबसे बड़ी व्यवहार्य आबादी रखता है और नीलकुरिंजी का एक प्रसिद्ध आवास है, जो 12 वर्षों में एक बार खिलता है। तहर के अलावा, पार्क अन्य अल्पज्ञात जीवों का निवास स्थान है जैसे नीलगिरि मार्टन (स्थानिक), लाल सिर वाला नेवला, छोटे पंजे वाला ऊदबिलाव, धुंधली धारीदार गिलहरी आदि।
- हूलॉक गिबन्स असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा और नागालैंड सहित उत्तर-पूर्व के कई राज्यों में पाए जाते हैं। उन्हें काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, मानस वन्यजीव अभयारण्य और नामदफा राष्ट्रीय उद्यान में भी देखा जाता है। **अत: युग्म 3 सुमेलित नहीं है।**

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/national-chambal-sanctuary